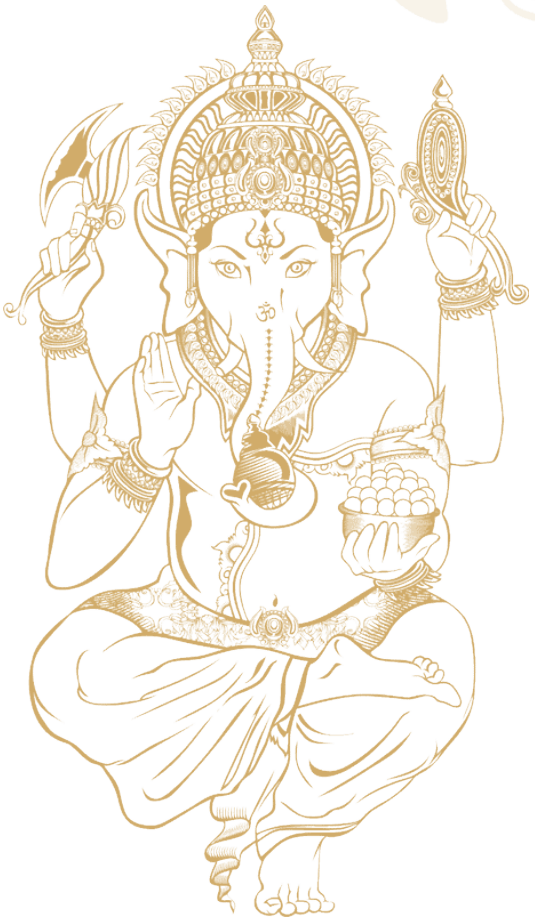

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121587702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/10/2004	जन्म तिथि	14/08/2005
रवि-सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 06:05:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 58:57:09	जन्म समय(घटी)	33:27:58 घटी
India	देश	India
Udhampur	स्थान	Jammu
32:56:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
75:08:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:28	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:08	सूर्योदय	05:53:14
18:01:02	सूर्यास्त	19:16:33
23:55:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 16वर्ष 1मा 11दि	17:50:00	कन्या	लग्न	मक	28:43:39	शनि 0वर्ष 6मा 7दि
सूर्य	24:07:00	कन्या	सूर्य	कर्क	27:55:48	केतु
22/11/2020	15:55:25	सिंह	चंद्र	वृश्चि	16:18:08	20/02/2023
22/11/2026	15:34:08	कन्या	मंगल	मेष	15:30:44	20/02/2030
सूर्य 11/03/2021	27:56:06	कन्या	बुध व	कर्क	14:57:57	केतु 19/07/2023
चन्द्र 10/09/2021	09:29:32	कन्या	गुरु	कन्या	21:28:32	शुक्र 18/09/2024
मंगल 16/01/2022	14:36:26	सिंह	शुक्र	कन्या	03:01:49	सूर्य 23/01/2025
राहु 10/12/2022	02:41:15	कर्क	शनि	कर्क	09:47:22	चन्द्र 24/08/2025
गुरु 29/09/2023	08:16:11	मेष व	राहु व	मीन	21:10:07	मंगल 21/01/2026
शनि 10/09/2024	08:16:11	तुला व	केतु व	कन्या	21:10:07	राहु 08/02/2027
बुध 17/07/2025	09:21:31	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	15:32:05	गुरु 15/01/2028
केतु 22/11/2025	18:44:08	मक व	नेप व	मक	22:06:31	शनि 23/02/2029
शुक्र 22/11/2026	26:04:34	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:58:57	बुध 20/02/2030

लग्न-चलित

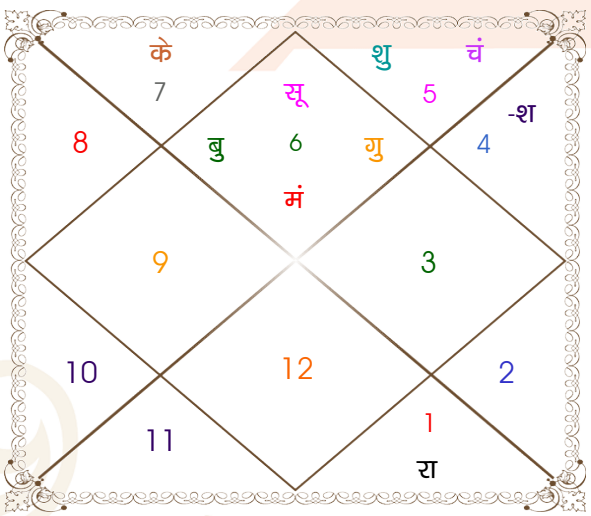

लग्न-चलित

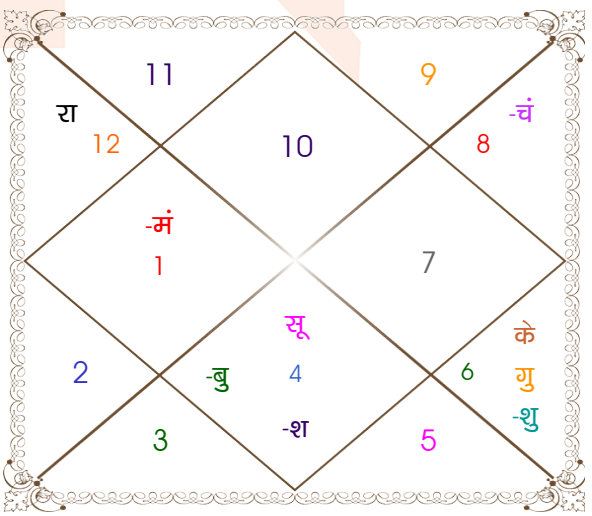

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।